Shri Baba Mastnath Ayurvedic College
A Nath Minority Uaided Institution
Constituent of Baba Mastnath University, Asthal Bohar Rohtak

"Sanskrit Week"

The "Sanskrit Week" 2021 held in the BMU premises in a befitting manner yesterday. It was a weeklong program presided over by officiating Vice Chancellor of the BMU. The function was attended by the Chancellor's nominee as the chief guest while the officiating Vice Chancellor of BMU was present as the special guest.

धन्वन्तरी

BABA MASTNATH UNIVERSITY
ROHTAK
बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालयम्
श्री बाबा मस्तनाथ आयुर्वेद महाविद्यालयम्
अस्थल बोहर, रोहतक (हरियाणा)
महंत बालकनाथ जी योगी
संस्कृत सप्ताहः
''श्रावण शुक्ल पक्ष द्वादशी तिथितः भाद्रपद कृष्णपक्ष तृतीया तिथि पर्यन्तः''
शिक्षितं पुस्तके नैव
लेखनं वाचनं तथा।
अल्प पूर्ण विरामौ च
अनुभवैः पाठितौ मम ।।
विशिष्ट अतिथिः
डॉ. रमेश कुमार
कुलपति

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालयम्
श्री बाबा मस्तनाथ आयुर्वेद महाविद्यालयम्
अस्थल बोहर, रोहतक (हरियाणा)
संस्कृत सप्ताहः
शिक्षितं पुस्तके नैव
लेखनं वाचनं तथा।
अल्प पूर्ण विरामौ च
अनुभवैः पाठितौ मम ॥
विशिष्ट अतिथि
डॉ. रमेश कुमार
भगवान धन्वनतरी
महन्त चांदनाथ योगी

Sanskrit is the only language in the world that is completely accurate; the reason for this is that Sanskrit is considered the most suitable language even for its most accurate computer software. The importance of Sanskrit language in the progress and ethics of the country and the world In the beginning of Sanskrit week, Dr. Tarun Shastri ji told about the importance of Ayurveda.

दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...
23/24

संस्कृत विश्व की सभी भाषाओं की जननी : डा. अंजना राव

बीएमयू में संस्कृत सप्ताह दिवस के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

रोहतक, 25 अगस्त (नवीन मलिक) : बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के आयुर्वेदिक कॉलेज द्वारा आयोजित संस्कृत सप्ताह दिवस के तहत विभिन्न कार्यक्र मों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलाधिपति प्रतिधिनि डॉ. अंजना राव ने कहा कि संस्कृत भारत की एक शास्त्रीय भाषा है। इसे देववाणी और सुरभारती भी कहा जाता है। यह संसार की सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक है। संस्कृत में हिंदू धर्म से संबंधित सभी धर्म ग्रंथ लिखे गए हैं। साथ ही बौद्ध धर्म तथा जैन धर्म के भी कई महत्वपूर्ण ग्रंथ संस्कृत में लिखे गए हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेश कुमार ने संस्कृत को विश्व की सभी भाषाओं की जननी माना गया। संसार में सिर्फ संस्कृत ही एक ऐसी भाषा है जो संपूर्ण रूप से सटीक है। इसका कारण है इसकी शुद्धता। कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के लिए भी संस्कृत को ही सबसे उपयुक्त भाषा माना जाता है। देश और दुनिया की तरक्की और सदाचार में संस्कृत भाषा का महत्व महत्वपूर्ण योगदान है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. इंद्रजीत सिंह ने कहा कि अपनी संस्कृति को समझने के लिए हमें संस्कृत को अनिवार्य रूप से अपनाना होगा। आज हम आधुनिकता के चक्कर में अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। आयुर्वेद के डीन डॉ. नीरज कुमार खरे, प्रो. सुभाष चंद्र गुप्ता, डॉ. तरु ण कुमार ने भी संस्कृत भाषा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर डॉ. पुनीत शर्मा, आयुर्वेदिक महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रमिला आर्य, अमृत, डॉ.निशा, डॉ. दीप्ति, डॉ. तरु ण, डॉ.लखन, डॉ. छवि, डॉ. साक्षी, डॉ.अनीता, डॉ. पारूल यादव, डॉ.पीयूष लता, डॉ.धीरज, डॉ. वाजि पाण्डेय, डॉ. सदानंद गुप्ता प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

डा. अंजना राव द्वीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए।

Hari Bhoomi-26-08-21

संस्कृत भारत की एक शास्त्रीय भाषा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के आयुर्वेदिक कॉलेज में चल रहे संस्कृत सप्ताह दिवस का बुधवार को समापन हो गया।

मुख्य अतिथि कुलाधिपति प्रतिनिधि डॉ. अंजना राव ने कहा कि संस्कृत भारत की एक शास्त्रीय भाषा है। इसे देववाणी और सुरभारती भी कहा जाता है। यह प्राचीन भाषाओं में से एक है। संस्कृत में हिंदू धर्म से संबंधित सभी धर्म ग्रंथ लिखे गए हैं। उन्होंने बताया कि बौद्ध धर्म तथा जैन धर्म के भी कई महत्वपूर्ण ग्रंथ संस्कृत में लिखे गए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. रमेश कुमार ने कहा कि संस्कृत को विश्व की सभी भाषाओं की जननी माना गया। कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के लिए भी संस्कृत को ही सबसे उपयुक्त भाषा माना जाता है। देश और दुनिया की तरक्की और सदाचार में संस्कृत भाषा का महत्वपूर्ण योगदान है। वहीं कुलसचिव डॉ. इंद्रजीत सिंह ने कहा कि अपनी संस्कृति को समझने के लिए हमें संस्कृत को अनिवार्य रूप से अपनाना होगा। आज हम आधुनिकता के चक्कर में अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डॉ. पुनीत शर्मा, आयुर्वेदिक महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रमिला आर्य, अमृत, डॉ. निशा, डॉ. दीप्ति, डॉ. तरुण, डॉ.लखन, डॉ. छवि, डॉ. साक्षी, डॉ. अनीता, डॉ. पारूल यादव, डॉ. पीयूष लता, डॉ. धीरज, डॉ. वारिज पाण्डेय, डॉ. सदानंद गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

Amar
Ujala-26-08-21

संस्कृत संसार की सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक : डॉ. अंजना

कार्यक्रम का शुभारंभ करतीं अतिथि। विज्ञप्ति

संवाद न्यूज एजेंसी

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के आयुर्वेदिक कॉलेज में चल रहे संस्कृत सप्ताह दिवस का बुधवार को समापन हो गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कुलाधिपति प्रतिनिधि डॉ. अंजना राव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कृत भारत की एक शास्त्रीय भाषा है। इसे देववाणी और सुरभारती भी कहा जाता है। यह संसार की सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक है। संस्कृत में हिंदू धर्म से संबंधित सभी धर्म ग्रंथ लिखे गए है। बौद्ध धर्म तथा जैन धर्म के भी कई महत्वपूर्ण ग्रंथ संस्कृत में लिखे गए हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.(डॉ.) रमेश कुमार ने कहा कि संस्कृत को विश्व की सभी भाषाओं की जननी माना गया। संसार में सिर्फ संस्कृत ही एक ऐसी भाषा है जो संपूर्ण रूप से सटीक है। इसका कारण है इसकी शुद्धता। कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के लिए भी संस्कृत को ही सबसे उपयुक्त भाषा माना जाता है। देश और दुनिया की तरक्की और सदाचार में संस्कृत भाषा का महत्व महत्वपूर्ण योगदान है।

कुलसचिव डॉ. इंद्रजीत सिंह ने कहा कि अपनी संस्कृति को समझने के लिए हमें संस्कृत को अनिवार्य रूप से अपनाना होगा। आज हम आधुनिकता के चक्कर में अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। आयुर्वेद के डीन डॉ. नीरज कुमार खरे, प्रो. (डॉ.) सुभाष चंद्र गुप्ता, डॉ. तरुण कुमार ने भी संस्कृत भाषा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर अमृत, डॉ. निशा, डॉ. दीप्ति, डॉ. तरुण, डॉ. लखन, डॉ. छवि, डॉ. साक्षी, डॉ. अनीता, डॉ. पारूल यादव, डॉ. पीयूष लता, डॉ. धीरज, डॉ. वारिज पांडेय, डॉ. सदानंद गुप्ता आदि शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उजाला आज तक

ही गोकल गेट चौकी
ारपीट करने की

बीएमयू के आयुर्वेद विभाग में चल रहे संस्कृत सप्ताह दिवस का समापन किया गया

उजाला आज तक (रोहतक डॉ देहराज)। बीएमयू के आयुर्वेद विभाग में चल रहे संस्कृत सप्ताह दिवस का समापन किया गया। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के आयुर्वेदिक कॉलेज में चल रहे संस्कृत सप्ताह दिवस का समापन किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कुलाधिपति प्रतिनिधि डॉ. अंजना राव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कृत भारत की एक शास्त्रीय भाषा है। इसे देववाणी और सुरभारती भी कहा जाता है। यह संसार की सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक है। संस्कृत में हिंदू धर्म से संबंधित सभी धर्म ग्रंथ लिखे गए हैं। बौद्ध धर्म तथा जैन धर्म के भी कई महत्वपूर्ण ग्रंथ संस्कृत में लिखे गए हैं। इसी संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.(डॉ) रमेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि संस्कृत को विश्व की सभी भाषाओं की जननी माना गया। संसार में सिर्फ संस्कृत ही एक ऐसी भाषा है जो संपूर्ण रूप से सटीक है। इसका कारण है इसकी शुद्धता। कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के लिए भी संस्कृत को ही सबसे उपयुक्त भाषा माना जाता है। देश और दुनिया की तरक्की और सदाचार में संस्कृत भाषा का महत्व महत्वपूर्ण योगदान है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. इंद्रजीत सिंह ने कहा कि अपनी संस्कृति को समझने के लिए हमें संस्कृत को अनिवार्य रूप से अपनाना होगा। आज हम आधुनिकता के चक्कर में अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। आयुर्वेद के डीन डॉ. नीरज कुमार खरे, प्रो. (डॉ.) सुभाष चंद्र गुसा, डॉ. तरुण कुमार ने भी संस्कृत भाषा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पुनीत शर्मा ने किया। आयुर्वेदिक महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रमिला आर्य ने कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया। इस मौके पर अमृत, डॉ.निशा, डॉ. दीसि, डॉ. तरुण, डॉ.लखन, डॉ. छवि, डॉ. साक्षी, डॉ.अनीता, डॉ. पारूल यादव, डॉ.पीयूष लता, डॉ.श्रीराज, डॉ. वारिज पाण्डेय, डॉ. सदानंद गुसा आदि शिक्षक एवम् विद्यार्थी उपस्थित रहे।

After that the Head of the Department of Sanskrit Mr. SP Gupta ji shared University Registrar Dr. Inderjit Singh said that to understand our culture, we have to adopt Sanskrit compulsorily. Today we are forgetting our culture due to modernity. Dr. Neeraj Kumar Khare, Dean of Ayurveda, Prof. (Dr.) Subhash Chandra Gupta, Dr. Tarun Kumar also expressed their views on the importance of Sanskrit language. The Principal of Ayurvedic College, Dr. Pramila Arya expressed gratitude at the end of the program by thanking all the guests.

पब्लिक एशिया समाचार पत्र

बीएमयू के आयुर्वेद विभाग में चल रहे संस्कृत सप्ताह दिवस का समापन किया आज

पब्लिक एशिया ब्यूरो

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के आयुर्वेदिक कॉलेज में चल रहे संस्कृत सप्ताह दिवस का समापन किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कुलाधिपति प्रतिनिधि डॉ. अंजना राव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कृत भारत की एक शास्त्रीय भाषा है। इसे देववाणी और सुरभारती भी कहा जाता है। यह संसार की सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक है। संस्कृत में हिंदू धर्म से संबंधित सभी धर्म ग्रंथ लिखे गए हैं। बौद्ध धर्म तथा जैन धर्म के भी कई महत्वपूर्ण ग्रंथ संस्कृत में लिखे गए हैं। इसी संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.(डॉ) रमेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि संस्कृत को विश्व की सभी भाषाओं की जननी माना गया। संसार में सिर्फ संस्कृत ही एक ऐसी भाषा है जो संपूर्ण रूप से सटीक है। इसका कारण है इसकी शुद्धता। कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के लिए भी संस्कृत को ही सबसे उपयुक्त भाषा माना जाता है। देश और दुनिया की तरक्की और सदाचार में संस्कृत भाषा का महत्व महत्वपूर्ण योगदान है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. इंद्रजीत सिंह ने कहा पकि अपनी संस्कृति को समझने के लिए हमें संस्कृत को अनिवार्य रूप से अपनाना होगा। आज हम आधुनिकता के चक्कर में अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। आयुर्वेद के डीन डॉ. नीरज कुमार खरे, प्रो. (डॉ.) सुभाष चंद्र गुप्ता, डॉ. तरुण कुमार ने भी संस्कृत भाषा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पुनीत शर्मा ने किया। आयुर्वेदिक महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रमिला आर्य ने कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया। इस मौके पर अमृत, डॉ.निशा, डॉ. दीप्ति, डॉ. तरुण, डॉ.लखन, डॉ. छवि, डॉ. साक्षी, डॉ.अनीता, डॉ. पारूल यादव, डॉ.पीयूष लता, डॉ.धीरज, डॉ. वारिज पाण्डेय।

दैनिक भास्कर रोहतक भास्कर 26-08-2021

बाबा मस्तनाथ विवि में संस्कृत सप्ताह दिवस का समापन

'संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है, इसे अपनाएं'

भास्कर न्यूज | रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के आयुर्वेदिक कॉलेज के आयुर्वेद विभाग में चल रहे संस्कृत सप्ताह दिवस का बुधवार को समापन हुआ। मुख्य अतिथि कुलाधिपति प्रतिनिधि डॉ. अंजना राव ने हुए कहा कि संस्कृत एक शास्त्रीय भाषा है। यह संसार की सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक है। हिंदू, बौद्ध और जैन धर्म से जुड़ा मुख्य साहित्य

संस्कृत में लिखा गया है। कुलपति प्रो. डॉ. रमेश कुमार ने कहा कि देश और दुनिया की तरक्की और सदाचार में संस्कृत का महत्वपूर्ण योगदान है। कुलसचिव डॉ. इंद्रजीत सिंह ने कहा कि हम आधुनिकता के चक्कर में अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। इस दौरान आयुर्वेद के डीन डॉ. नीरज कुमार खरे, प्रो. डॉ. सुभाष चंद्र गुप्ता, डॉ. तरुण कुमार, डॉ. पुनीत शर्मा, डॉ. प्रमिला आर्य, अमृत, डॉ. निशा, डॉ. दीप्ति, डॉ. तरुण, डॉ. लखन, डॉ. छवि, डॉ. साक्षी, डॉ. अनीता, डॉ. पारुल यादव, डॉ. पीयूष लता, डॉ.धीरज, डॉ. वारिज पाण्डेय, डॉ. सदानंद गुप्ता उपस्थित रहे।

The Principal of Ayurvedic College, Dr. Pramila Arya expressed gratitude at the end of the program by thanking all the guests. Dr. Puneet Sharma conducted the program. On this occasion Amrit, Dr. Nisha, Dr. Deepti, Dr. Tarun, Dr. Lakhan, Dr. Chhavi, Dr. Sakshi, Dr. Anita, Dr. Parul Yadav, Dr. Piyush Lata, Dr. Dhiraj, Dr. Varij Pandey, Dr. Sadanand Gupta etc. teachers and students were present his knowledge about the importance of Sanskrit with the children.

In this regard, the Vice Chancellor of the University, Prof. (Dr) Ramesh Kumar said in his address that Sanskrit was considered the mother of all languages of the world. Sanskrit is the only language in the world, which is completely accurate. The reason for this is its purity. Sanskrit is also considered the most suitable language for computer software. The importance of Sanskrit language is an important contribution in the progress and morality of the country and the world.

The ongoing Sanskrit Week Day was concluded at the Ayurvedic College of Baba Mastnath University. The chief guest of this program, Chancellor's representative Dr. Anjana Rao, while addressing the students said that Sanskrit is a classical language of India. It is also called as Devvani and Surbharti. It is one of the oldest languages in the world. All the religious texts related to Hinduism are written in Sanskrit. Many important texts of Buddhism and Jainism are also written in Sanskrit.

88% 10:11

Rohtak Kesari....

ाता, सीमा, समाकोर प्रवीण, राजेंद्र, रोहतास फायरमैन, सौरव बागड़ी, अन्य सद

'बाबा मस्तनाथ वि.वि. में संस्कृत सप्ताह का समापन'

रोहतक, 25 अगस्त (दीपक) : बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के आयुर्वेदिक कालेज में चल रहे संस्कृत सप्ताह दिवस का बुधवार को समापन हो गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में कुलाधिपति प्रतिनिधि डा. अंजना राव ने शिरकत की।

उन्होंने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि संस्कृत भारत की एक शास्त्रीय भाषा है। इसे देववाणी और सुरभारती भी कहा जाता है। यह संसार की सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक है। संस्कृत में हिंदू धर्म से सम्बंधित सभी धर्म ग्रंथ लिखे गए हैं। बौद्ध धर्म तथा जैन धर्म के भी कई महत्वपूर्ण ग्रंथ संस्कृत में लिखे गए हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेश कुमार ने कहा कि संस्कृत को विश्व की सभी भाषाओं की जननी माना गया। संसार में सिर्फ संस्कृत ही एक ऐसी भाषा है जो संपूर्ण रूप से सटीक है। इसका कारण है इसकी शुद्धता। कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के लिए भी संस्कृत को ही सबसे उपयुक्त भाषा माना जाता है। देश और दुनिया की तरक्की व सदाचार में संस्कृत भाषा का महत्वपूर्ण योगदान है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. इंद्रजीत सिंह ने कहा कि अपनी संस्कृति को समझने के लिए हमें संस्कृत को अनिवार्य रूप से अपनाना होगा।

आज हम आधुनिकता के चक्कर में अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। आयुर्वेद के डीन डा. नीरज कुमार खरे, प्रो. सुभाष चंद्र गुप्ता, डा. तरुण कुमार ने भी संस्कृत भाषा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर अमृत, डा. निशा, डा. दीप्ति, डा. तरुण, डा. लखन, डा. छवि, डा. साक्षी, डा. अनीता, डा. पारूल यादव, डा. पीयूष लता, डा. धीरज, डा. वारिज पाण्डेय, डा. सदानंद गुप्ता [illegible] अन्य सदस्य मौजूद रहे।